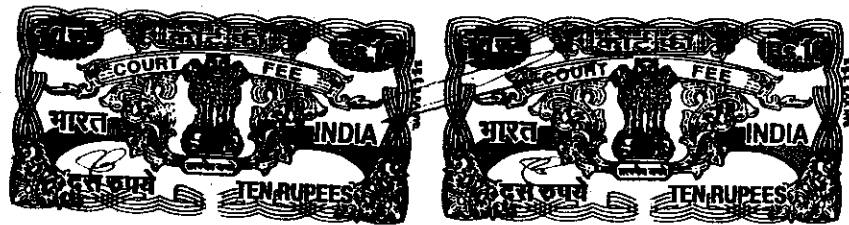


41

93
79.2.14



Rs. 20/-

सुरेन्द्र सिंह तनय कागता सिंह निवासी ग्राम खैरा तहसील हजूर जिला रीवा म०प्र०

----- आवेदक

बनाम

सुरेन्द्र सिंह तनय श्रीमनाथ सिंह निवासी ग्राम खैरा तहसील हजूर जिला रीवा म०प्र०

----- अनावेदक

R-923-4514

श्री... श्री. वि. कुमा. ट. सि. व. श्री ...रह
द्वारा आज दिनांक 19.2.14... के
प्रस्तुत किया गया।

रीवा
सर्किट कोर्ट रीवा

निगरानी विरुद्ध आदेश न्यायालय अपर क्लेकटस
महोदय रीवा जरिये प्रकरण क्र. 1निग./13-14
दिनांक 15/1/14,

समांक 744
पोस्ट द्वारा आज
को प्राप्त

अन्तर्गत धारा 50 म. प्र. पू. राजस्व संहिता ।

रीवा सर्किट कोर्ट रीवा

निगरानी के आधार निम्नलिखित है:-

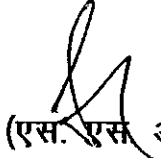
1- यहाँक विचारण न्यायालय/ अनुविभागीय अधिकारी हजूर जिला रीवा के
समक्ष अनावेदक सुरेन्द्र सिंह द्वारा एक आवेदन पत्र धारा 12(1) स्थान नियंत्रण अधि.
के तहत प्रस्तुत कर अराजी खतरा नम्बर 368/3 रकबा 0.085 ए. में निर्मित मकान
से अनावेदक/ निगरानी कर्ता को बेदखल करने हेतु आवेदन दिया था जिस आवेदन पत्र
को विचारण न्यायालय/ अनुविभागीय अधिकारी द्वारा अवैधानिक ढंग से अनुविभागीय
अधिकारी/ भाड़ा नियंत्रण अधिकारी को प्राप्त शक्तियों का अतिक्रमण करते हुये स्वीकार
किया गया तथा निगरानी कर्ता/ अनावेदक को उपर्युक्त मकान से बेदखल करने का आदेश
दिनांक 27/7/13 को पारित किया गया तथा आदेश के पालन हेतु पुलिस को
निर्देश दिये गये ।

पृष्ठ: 2

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
आदेश पृष्ठ
भाग - अ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 923-तीन/2014

जिला रीवा

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकर्ता एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
04-04-2017	<p>आवेदक अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया।</p> <p>2/ आवेदक द्वारा यह निगरानी अपर कलेक्टर के प्रकरण क्रमांक 1/निग0/13-14 में पारित आदेश दिनांक 15-1-14 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अन्तर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>3/ आवेदक अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों के परिप्रेक्ष्य में निगरानी मेमो एवं विचाराधीन आदेश की सत्यापित प्रति का अवलोकन किया जिससे प्रकट होता है कि अनुविभागीय अधिकारी हुजूर जिला रीवा ने धारा 12(1) स्थान नियंत्रण अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही कर आदेश पारित किया है जिसके विरुद्ध सुनवाई का क्षेत्राधिकार इस न्यायालय को प्राप्त नहीं होने से यह निगरानी अग्राह्य की जाती है। पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p> <p style="text-align: right;"> (एस. एस. अली) सदस्य</p>	